

1. कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहते हैं?

उत्तर:

कवि आत्मकथा लिखने से बचना चाहते हैं क्योंकि उनका जीवन दुःख और संघर्षों से भरा है। अपनी सरलता के कारण उन्हें बार-बार धोखा मिला है और आत्मकथा में कुछ रोचक या प्रेरक नहीं पाते हैं, साथ ही वे मज़ाक का कारण नहीं बनना चाहते।

2. आत्मकथा सुनाने के संदर्भ में 'अभी समय भी नहीं' कवि ऐसा क्यों कहता है?

उत्तर:

कवि को अपने जीवन में कोई बड़ी उपलब्धि नहीं मिली है। उनका जीवन अभाव और संघर्षों से भरा है, जिसे वे अपने तक सीमित रखना चाहते हैं, इसलिए वह कहते हैं, "अभी समय भी नहीं।"

3. स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है?

उत्तर:

'पाथेय' मतलब यात्रा का सहारा। कवि के सुख के स्वप्न ने उन्हें जीवन मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, ठीक जैसे मंज़िल तक पहुँचने में यात्री को पाथेय मिलता है।

4. भाव स्पष्ट कीजिए-

(क) मिला कहाँ वह सुख जिसका मैं स्वप्न देखकर जाग गया...

उत्तर:

कवि का सपना उनके पास आते-आते दूर चला गया; सुख उनके जीवन में कभी प्रवेश नहीं कर पाया।

(ख) जिसके अरुण कपोलों की मतवाली सुंदर छाया में...

उत्तर:

कवि अपनी प्रेयसी की सुंदरता का वर्णन करते हैं, जिसकी लालिमा उषा की तुलना में अधिक है।

5. 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' से कवि क्या कहना चाहता है?

उत्तर:

कवि अपने प्रेमपूर्ण संस्मरण दूसरों को नहीं बताना चाहते, क्योंकि वे उन्हें निजी सम्पत्ति मानते हैं और उनका मज़ाक नहीं बनाना चाहते।

6. 'आत्मकथ्य' कविता की काव्यभाषा की विशेषताएँ उदाहरण सहित लिखिए।

उत्तर:

- कोमल शब्द/खड़ी बोली
- मानवीकरण (छायावादी विशेषता)
- तत्सम शब्दों का प्रयोग
- गीतात्मकता और छंदबद्धता



7. कवि ने जो सुख का स्वप्न देखा था, उसे कविता में किस रूप में अभिव्यक्त किया है?

उत्तर:

प्रेयसी से साक्षात्कार व चाँदनी रातों के मधुर क्षण, जो अंत में दुःख में तब्दील हो गए।

8. इस कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की जो झलक मिलती है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:

उनका जीवन सादगी, विनम्रता, संघर्ष, भोलापन व आत्म-गोपनीयता से युक्त था। वे दुखों को दूसरों से छिपाकर रखते थे, दिखावे से दूर रहते थे, और उपहास से बचना चाहते थे।